आउटडोर गेम्स

मिशन शिक्षण संवाद

साभार
श्रीमती नीलम भदौरिया
जनपद संयोजिका
मिशन शिक्षण संवाद, फ़तेहपुर

संकलन
टीम मिशन शिक्षण संवाद, फ़तेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

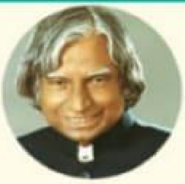

दिन
मंगलवार

क्रिकेट

दिनाँक
01/09/2020

बल्ले-गेंद से खेला जाता,
है यह लोकप्रिय खेल।
पिच पर इसको खेला जाता,
जो है होती बाइस गज।

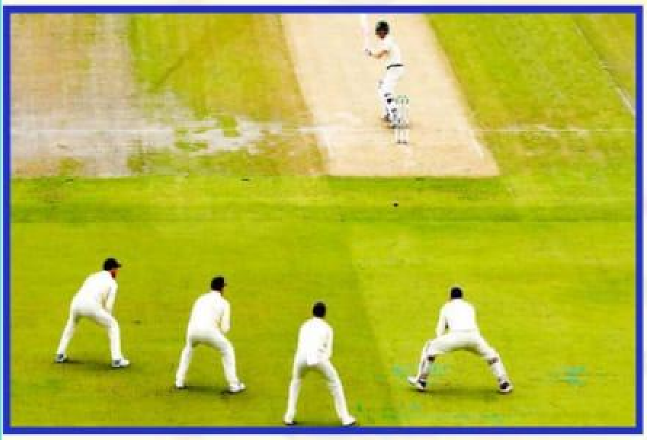

ग्यारह-ग्यारह खिलाड़ी होते,
हर टीम में शामिल ।
एक टीम करती है बैटिंग,
दूसरी करती बॉलिंग।।

छः गेंदों का ओवर है होता,
बाउण्ड्री पार पर चौका।
बिना टप्पा के बाउण्ड्री फांदे,
तो हो जावे छक्का।।

एक दिवसीय, टेस्ट क्रिकेट,
टी 20 है इसके फार्मेट ।
हर चार वर्ष में विश्व कप होता,
भारत ने दो बार है जीता ।।

रचनाकार
उषा देवी (स० अ०)
प्राथमिक वि० तलकापुर
हथगाम, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

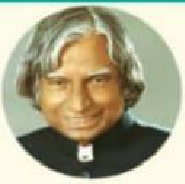

दिन
बुधवार

फुटबॉल

दिनाँक
02/09/2020

फुटबॉल खेल है सबसे प्यारा,
सब खेलों से है यह न्यारा।
तन भी स्वस्थ, मन भी स्वस्थ,
आओ हम सब खेलें फुटबॉल।।

दो टीमें हैं रहती इसमें,
11-11 खिलाड़ी होते हैं जिसमें।
90 मिनट का खेल यह होता,
15 मिनट का ब्रेक भी होता।।

फुटबॉल खेलते हैं टांगों से,
हाथ लगायें तो हो फाउल।
फुटबॉल को जान लीजिए,
हमें नहीं करनी यह भूल।।

दोनों टीमों में होते हैं एक-एक गोल कीपर,
गोल रोकने को जो रहते हैं तत्पर।
जो टीम सर्वाधिक गोल है करती,
विजेता वह घोषित होती।।

रचनाकार
रीता उत्तम (स० अ०)
उ. प्रा. वि. हाफ़िज़ पुर हरकरन
खजुहा , फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

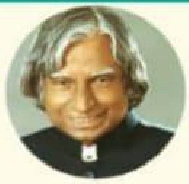

दिन
बृहस्पतिवार

टेनिस

दिनाँक
03/09/2020

फ्रांस में है जन्मा टेनिस,
आउटडोर एक गेम है टेनिस।
बड़ा ही रोचक खेल है टेनिस,
ओलम्पिक में शामिल टेनिस।

एकल और युगल में टेनिस,
गेंद और रैकेट संग टेनिस।
विजयी खिलाड़ी चैंपियन टेनिस,
ग्रैंड स्लेम स्पर्द्धा टेनिस।

ऑस्ट्रेलियन और यू.एस.ओपन,
हार्ड कोर्ट के खेल हैं टेनिस।
फ्रेंच और विम्बलडन ओपन,
मिट्टी, घास में खेले टेनिस।

जोकोविच और ऐस्ले बार्टी,
ग्रेंड स्लेम में टॉपर टेनिस।
पेस, महेश और सानिया से भी,
देश में हो गया लोकप्रिय टेनिस।

रचनाकार
अर्चना गुप्ता (स० अ०)
उ. प्रा. वि. हाफ़िज़ पुर हरकरन
खजुहा , फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

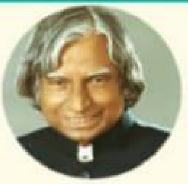

दिन
शुक्रवार

वॉलीबॉल

दिनाँक
04/09/2020

खेल समझाते मानव शक्ति का अर्थ,
तभी प्रतिभागी लक्ष्यों को पाने में होते समर्थ।
प्रारंभ में मिंटोनेट से जाना जाने वाला,
खेलों में लोकप्रिय है वॉलीबॉल।

आविष्कार किया विलियम मोगरन ने,
1895 में स्थान था अमेरिका।
एशियाई खेलों में आया 1958 में,
1964 में शामिल ओलंपिक में।।

18 मीटर लम्बे व 9 मीटर चौड़े वाले,
मैदान को दो भागों में बाँटकर।
दो पोलो से नेट को बाँधकर,
आओ खेलें वॉलीबॉल को।।

6-6 खिलाडियों में टीम बाँटकर,
एक मैच में तीन पारियो में।
280-300 ग्राम वजन वॉलीबॉल से,
आओ खेलें सभी वॉलीबॉल को।

रचनाकार
प्रियंका यादव (स० अ०)
प्राथमिक वि. खानपुर कदीम
अमौली , फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

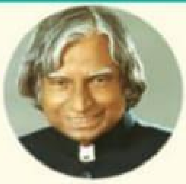

दिन
शनिवार

गोल्फ

दिनाँक
05/09/2020

हरी घास का मैदान होता,
जहां गोल्फ खेला जाता।
17वीं शती का शुरुआती दौर,
यूरोप में हुआ गोल्फ का शोर।।

मैदान में होते 9-18 होल्स,
इसको कहते गोल्फ कोर्स।
स्टार्ट व फिनिश प्वाइंट है होता,
स्टार्ट 'टी' तो फिनिश 'होल कप' होता।।

हॉकी जैसी स्टिक से बॉल को मारते,
मैदान के होल में बॉल को डालते।
टी प्वाइंट से शुरू होता खेल,
इसमें आनंद का न कोई मेल।

इस खेल को रोचक,कठिन बनाया जाता,
मार्ग में झाड़ी,पेड़ और गड्ढा बनाया जाता।
कम से कम शाट्स में जो सारे होल्स भरता,
अंत में विजेता वही होता।।

रचनाकार
इला सिंह (स० अ०)
उच्च प्राथमिक वि. पनेरुआ
अमौली , फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

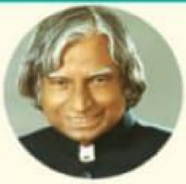

दिन
रविवार

बैडमिंटन

दिनाँक
06/09/2020

बैडमिंटन बच्चों का प्रिय खेल,
व्यायाम, मनोरंजन का अच्छा मेल।
भाई बहन हों या फ्रेंड,
क्रम से मिलकर खेलें खेल।

चिड़िया बल्ला कहलाए ये खेल,
शटलकाक को चिड़िया बोलें।
रैकेट तो है बल्ला,
नेट विभाजित आयताकार।

कोर्ट को पाला बनाकर खेलें खेल,
चिड़िया गिरी जिसके पाले में।
झट से छूटा उसका प्वाइंट,
21 प्वाइंटस का है ये खेल।

1992 में ओलम्पिक से भी जुड़ा,
पी.वी. सिंधु, साइना नेहवाल,
श्रीकांत किदाम्बी, प्रकाश पादुकोण,
मिला है इसमें बढ़िया फेम।

रचनाकार
गुलफ्शां(स० अ०)
प्रा. वि. केवटरा बेंता
देवमई , फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

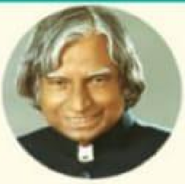

दिन
सोमवार

पोलो

दिनाँक
07/09/2020

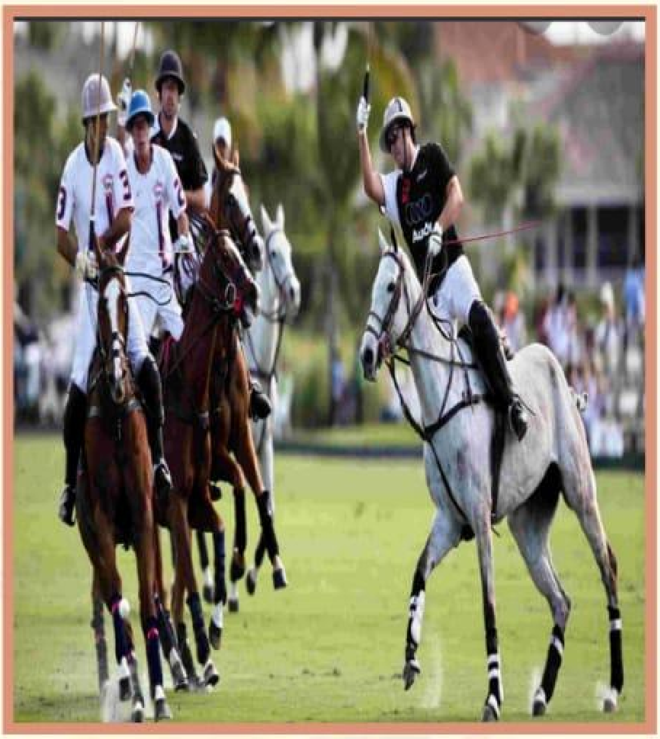

पोलो है एक टीम खेल,
घोड़े पे बैठकर खेलें खेल।
लेते है हॉकी और बॉल,
चार खिलाड़ी खेले खेल।

करें विरोधी टीम पर गोल,
हेलमेट पहन कर खेलें खेल।
'पुलू'नाम से विख्यात था खेल,
मणिपुर का माना जाता है खेल।

छठी शताब्दी का यह है खेल,
ब्रिटिश काल का विख्यात खेल।
१८६९ईस्वी में इंग्लैंड गया खेल,
१९५७ मे विजय दिलाई खेल।

फ्रांस चैंपियनशिप में खेला खेल,
विश्व विजेता बने हम पोलो खेल।
आओ मिलकर खेले पोलो खेल,
सारे बच्चे मिलकर सीखें खेल।।

रचनाकार
विजयलक्ष्मी यादव
प्रा. वि. रेहरा
भिटौरा, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान।
मिशन शिक्षण संवाद

मिशन शिक्षण संवाद

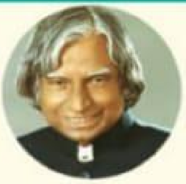

दिन
मंगलवार

हॉकी

दिनाँक
08/09/2020

हॉकी है एक खेल निराला,
भारत में है इसका भविष्य उजियारा।
राष्ट्रीय खेल यह हमारा कहलाये,
जिसमें भारत नाम कमाये।।

भारत में था एक जादूगर,
नाम था उसका ध्यानचंद।
हॉकी स्टिक थी उनकी गुलाम,
आँख झपकते करती काम।।

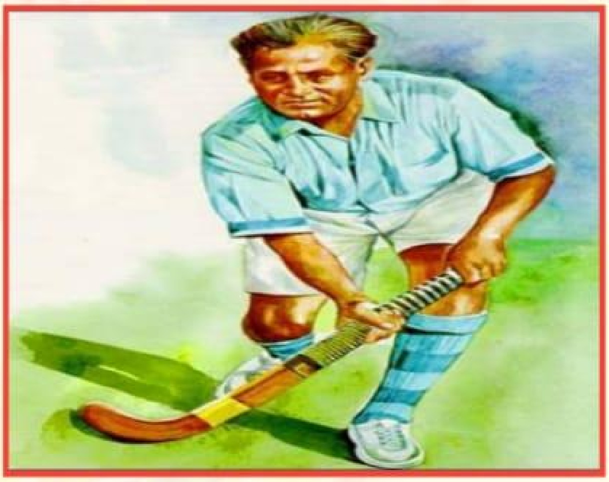

हिटलर भी उसका दीवाना,
राष्ट्र का गौरव था वह परवाना।
विदेशों में भारत का लोहा मनवाया,
भारत देश का नाम कमाया।।

उनका जन्मदिवस राष्ट्रीय खेल दिवस कहलाता,
उनकी टीम ने भारत को तीन स्वर्ण पदक दिलाया।
खेलरत्न के हैं वो हकदार,
देश विदेश में है उनका नाम।।

रचनाकार
अंजलि मिश्रा(स० अ०)
प्रा. वि. असनी 1
भिटौरा , फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

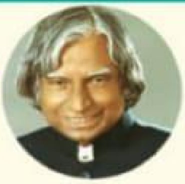

दिन
बुधवार

कबड्डी

दिनाँक
09/09/2020

बांग्लादेश का राष्ट्रीय खेल,
कबड्डी नाम से जाना जाता।
दक्षिण भारत में चेडुगुडु,
पूर्व भारत में हु तू तू कहलाता।

एक लाइन से कोर्ट दो पाले में बँटता,
दो टीमों के बीच होती यह प्रतिस्पर्धा।
दोनों टीमों में जिसने होता टॉस जीता,
उसका खिलाड़ी विपक्षी पाले में जाता।

यदि वह विपक्षी टीम से पकड़ा जाता,
तो विपक्षी टीम को एक अंक दिलाता।
और यदि भागने में सफल हो जाता,
तो अपनी टीम हेतु एक अंक कमाता।

बीस मिनट की अवधि में,
यही प्रक्रिया बार-2 दोहरायी जाती।
जिस टीम में बचें ज़्यादा खिलाड़ी,
वही टीम विजयी हो जाती।

रचनाकार
रीनू पाल (स० अ०)
प्रा. वि. दिलावल पुर
देवमई , फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

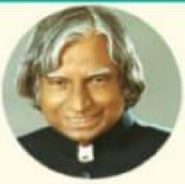

दिन
गुरुवार

खो - खो

दिनाँक
10/09/2020

खेल खो -खो भारतीय है कहलाता,
कौशल, गति और ऊर्जा की माँग है करता।
बैठते हैं कतार में एक दूसरे के विपरीत,
जिस ओर एक का मुँह दूजा पीठ है करता।

ना जाने कौन किसे कब खो कर देगा,
उसको अपनी जगह से हटा देगा।
छोड़ देनी होती है अपनी जगह उसके लिए,
पर उसको भी कोई खो जरूर देगा।।

29 मीटर लम्बे 16 मीटर चौड़े मैदान में,
आयोजन इसका किया जाता है।
7 मिनट में 2 पारियों को खेला जाता हैं,
9 खिलाड़ियों से टीम का निर्माण किया जाता है।।

पहली प्रतियोगिता का आयोजन पूना में हुआ था,
परन्तु जन्म इस खेल का बड़ौदा में हुआ था।
सारिका काले और बाला साहब पोकार्डे के नेतृत्व में,
2016 में भारत को स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ था।

रचनाकार
हेमलता यादव (स० अ०)
प्रा. वि. बेती सदात
भिटौरा , फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

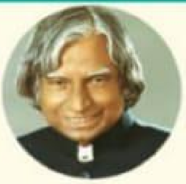

दिन
शुक्रवार

फिस्बी

दिनाँक
11/09/2020

अमेरिका का है नाम बड़ा,
फ्रिस्बी का अविष्कार हुआ।
यूटा राज्य के वॉलटर ने,
फ्रिस्बी उसको नाम दिया।।

आई निकल के बाहर जब वो,
फ़्लाइंग सॉसर बनकर।
लेकिन ले न पाई प्रसिद्धि,
वो जग में जमकर।।

मॉरीसन ने नाम रखा,
इसका प्लूटो प्लेटर।
जनमानस में बढ़ता जाता,
इसका प्रतिदिन कौतूहल।।

हल्की-फुल्की गोल हूँ मैं,
प्लास्टिक से निर्माण हुआ।
हवा में उड़ाना और पकड़ना,
बच्चों का प्यारा खेल हुआ।

रचनाकार
राधा रानी (स० अ०)
उ. प्रा. वि. सनगांव
हसवां, फतेहपुर